ये भी जानिए

ड्वेन ब्रावो टी-20 में 300 छक्के लगाने से एक कदम दूर है। इसके अलावा वह एम ए चिदंबरम स्टेडियम में एक विकेट लेते ही टी-20 में 50 विकेट पूरे कर लेंगे।

टोक्यो ओलंपिक की वजह से नहीं लड़ा लोकसभा चुनाव : सुशील कुमार

इंटरव्यू

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता सुपरस्टार पहलवान सुशील कुमार का कांग्रेस की ओर से लोकसभा चुनाव लड़ना लगभग तय था, लेकिन 2020 टोक्यो ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए उन्होंने आखिरी क्षणों में चुनाव नहीं लड़ने का फैसला लिया। अब उनकी निगाहें ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर लगी हैं। कुश्ती में पहला ओलंपिक क्वालीफायर टूर्नामेंट विश्व चैंपियनशिप है, जो अस्ताना में इस साल 14 से 22 सितंबर के दौरान खेली जाएगी। विश्व चैंपियन रह चुके **सुशील कुमार** से **योगेश शर्मा** ने खास बातचीत की। पेश हैं मुख्य अंश :

● आप टोक्यो ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। बीच में आपके चुनाव लड़ने की बातें सामने आईं, जिसके बाद आप पीछे हट गए, क्यों?

- मैं अभी टोक्यो ओलंपिक की तैयारी कर रहा हूं और सभी ने इसके लिए मुझे आगे कर रखा है। मुझे तीनों पार्टियों कांग्रेस, बीजेपी और आप से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव मिला था, लेकिन मेरे दिमाग में सिर्फ टोक्यो ओलंपिक था। अगर मैं चुनाव लड़ता तो मेरी तैयारियों पर फर्क पड़ता, इसलिए मैं टोक्यो ओलंपिक के लिए चुनाव नहीं लड़ा। मुझे निजी कोच भी डब्ल्यूएफआइ से मिल गया है और अब ओलंपिक की तैयारी शुरू हो गई है। मेरा ध्यान क्वालीफायर पर है और इसके लिए मैं मई के अंत तक विदेश में अभ्यास करने चला जाऊंगा और फिर किसी टूर्नामेंट में हिस्सा लूंगा।

● ओलंपिक की तैयारी के लिए एशियन चैंपियनशिप जैसे टूर्नामेंट महत्वपूर्ण और आप तो काफी समय से बड़े टूर्नामेंटों से दूर हैं। इसके पीछे क्या कारण हैं?

- नए बच्चों को अभ्यास के लिए टूर्नामेंट की ज्यादा जरूरत पड़ती है। आप मेरा पिछला रिकॉर्ड देखेंगे तो मैं इसी तरह से खेलता आया हूं। मेरी कोशिश जूनियर पहलवानों को मौका देने की रहती है। सभी जगह मैं खेलूंगा तो उन्हें मौका नहीं मिल पाएगा। सभी खिलाड़ी अपनी तैयारी के मुताबिक काम करते हैं। क्रिकेट में देखें तो सचिन तेंदुलकर एक समय आने पर अपने मुताबिक सीरीज खेलते थे और अब धौनी भी विश्व कप के लिए अपनी जरूरत के हिसाब से खेल रहे हैं। टोक्यो ओलंपिक को देखते हुए वही काम मैं कर रहा हूं।

● आपने बड़ी उपलब्धि तो पाई, लेकिन आपका नाम नरसिंह यादव और प्रवीण राणा के मामलों में भी खूब घसीटा गया?

- मैं इन विवादों को नहीं मानता। नरसिंह का मामला कुछ नहीं था। उन्होंने कभी मेरा और गुरु महाबली सतपाल का नाम नहीं लिया। हां, वह नेताओं की तरह दूसरे तरीके से इशारे करते रहे, लेकिन यह एक खिलाड़ी का काम नहीं है। इस कारण देश को नुकसान हुआ और कोई 74 किग्रा में रियो ओलंपिक में नहीं जा सका। देश ने मेरे और नरसिंह पर पैसा खर्च किया और वहां कोई खेल ही नहीं पाया और यह बड़ी बात थी। सच्ची चीजों को लोग देखते नहीं हैं और बेकार की चीजों में घुस जाते हैं। मैं किसी के बारे में नहीं बोलता और मजे से पहलवानी करता हूं। वहीं, प्रवीण मामले में समर्थक लड़े थे। प्रवीण को मैंने ही अखाड़े में भर्ती कराया था। मेरा काम देश के लिए खेलना है और वही कर रहा हूं।

● एशियन चैंपियनशिप में बजरंग ने स्वर्ण पदक जीता, तो विनेश ने कांस्य जीतकर निराश किया। ओलंपिक में इनसे क्या उम्मीद कर सकते हैं?

- बजरंग बहुत अच्छे पहलवान हैं और मुझे उम्मीद हूं कि वह टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतेंगे। विश्व चैंपियनशिप में वह स्वर्ण नहीं जीत पाए, तो इसका मतलब यह नहीं है कि उनकी कोई कमजोरी उजागर हुई है। मैं विश्व चैंपियन रहा हूं, तो मुझे पता है कि वहां सभी बराबर के पहलवान होते हैं। कोई भी कमजोर नहीं होता। दिन पर निर्भर करता है। वह बजरंग का दिन नहीं था, इसलिए वह चैंपियन नहीं बन पाए, लेकिन वह हमारे चैंपियन हैं। विनेश भी चैंपियन हैं, लेकिन किसी टूर्नामेंट में ऊपर-नीचे हो जाता है। वह भी आगे अच्छा करेंगी।

● कितने पहलवान ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं?

- छत्रसाल से ही छह पहलवान एशियन चैंपियनशिप में गए थे और चार के पदक आए थे। मुझे उम्मीद है कि तीन या चार पहलवान यहां से ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगे, जिसमें सुमित, रवि, दीपक शामिल हैं और कुल छह पहलवान जा सकते हैं।

● आप और अमित धनखड़ एक ही अखाड़े और 74 किग्रा में खेलते हैं अगर नरसिंह की तरह धनखड़ भी क्वालीफाई कर लेते हैं तो फिर आप क्या करेंगे?

- अमित धनखड़ क्वालीफाई कर सकते हैं। मैंने दूसरे को मौका देने के लिए एशियन गेम्स तक छोड़ दिया था और कोई भी खिलाड़ी इतने बड़े टूर्नामेंट को छोड़ना नहीं चाहता। मैं संतुष्ट हूं और खुश हूं कि देश के लिए दो बार ओलंपिक में पदक जीते हैं और इससे बड़ी कोई चीज नहीं है।

● अगर आप ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए तो क्या संन्यास ले लेंगे?

- अभी कुछ ऐसा नहीं सोचा है। उस समय जो हालात होंगे तभी कुछ फैसला लूंगा। मेरा ध्यान अभी टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफायर पर लगा है। मैं अपने छोटे-छोटे लक्ष्य बनाकर चलता हूं। क्वालीफायर के बाद ही अपने आगे की रूपरेखा तैयार करूंगा।

टक्कर ▸ दोनों ही टीमों के हैं 12 मैचों में समान 16 अंक, बेहतर रन रेट से शीर्ष पर है दिल्ली

दिल्ली-चेन्नई में होगी शीर्ष की जंग

अभ्यास सत्र के दौरान चेन्नई सुपरकिंग्स के सुरेश रैना।

चेन्नई, प्रेट्र : मुंबई इंडियन्स के खिलाफ हार से रन रेट के कारण दूसरे स्थान पर खिसकने वाली चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम शीर्ष पर काबिज दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बुधवार को यहां आइपीएल मैच में जीत दर्ज करके फिर से अंकतालिका में नंबर एक स्थान पर पहुंचने की कोशिश करेगी। अभी चोटी की दो टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है और इनमें से जो भी टीम जीत दर्ज करेगी उसका शीर्ष पर स्थान मजबूत हो जाएगा। इसका अंतिम अंकतालिका पर भी असर पड़ेगा।

चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धौनी मुंबई के खिलाफ पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे। इस मैच में हार के कारण उसका रन रेट नकारात्मक चला गया है। अब चेन्नई के लीग चरण में केवल दो मैच बचे हैं और उसकी निगाह इनमें जीत दर्ज करने पर है, ताकि वह मजबूत आत्मविश्वास के साथ क्वालीफायर खेलने के लिए उतरे। चेन्नई और दिल्ली दोनों के अभी 12 मैचों में समान 16 अंक हैं। बेहतर रन रेट के कारण दिल्ली हालांकि शीर्ष पर है।

धौनी बुखार से पीड़ित होने के कारण पिछले मैच में नहीं खेले थे और चेन्नई को उस मैच में मुंबई के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा था। अब चेन्नई को उम्मीद होगी कि धौनी बुधवार के महत्वपूर्ण मैच के लिए पूरी तरह फिट होकर मैदान पर उतरेंगे और उसे उसे वापस शीर्ष पर ले जाएंगे। धौनी अपनी टीम के शीर्ष स्कोरर हैं और उन्होंने अब तक 10 मैचों में 104.66 के औसत से 314 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक भी शामिल हैं। इसके अलावा रवींद्र जडेजा के भी पूरी तरह स्वस्थ होकर वापसी करने की उम्मीद है। टीम के पास मजबूत बल्लेबाजी और गेंदबाजी क्रम है। सुरेश रैना, अंबाती रायुडू, शेन वॉटसन, केदार जाधव टीम के अहम बल्लेबाज हैं, जबकि इमरान ताहिर और दीपक चाहर के रूप में चेन्नई के पास प्रतिभाशाली गेंदबाज मौजूद हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि लीग में अभी तक सर्वाधिक विकेट लेने वाले कैगिसो रबादा चेन्नई के घरेलू मैदान पर कैसा प्रदर्शन करते हैं। चेन्नई की पिच धीमी गति के गेंदबाजों को मदद देती रही है। चेन्नई के पास अच्छे स्पिनर हैं जिनकी अगुआई इमरान ताहिर और हरभजन सिंह करेंगे। ये दोनों दिल्ली के बल्लेबाजों के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं।

टॉस से पहले होगा धौनी के खेलने पर फैसला : फ्लेमिंग

चेन्नई, प्रेट्र : दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज और आइपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स की कप्तानी कर रहे महेंद्र सिंह धौनी की फिटनेस इस समय चिंता का विषय बनी हुई है। वह पिछले मैच में मैदान पर नजर नहीं आए थे और बाद में बताया गया कि उन्हें बुखार है। अब अगले मैच में भी उनके खेलने की स्थिति पूरी तरह से साफ नहीं है। विश्व कप करीब है, ऐसे में धौनी की फिटनेस टीम इंडिया के लिए जाहिर तौर पर चिंता की बड़ी वजह बन सकती है। सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने मंगलवार को कहा कि कप्तान धौनी पिछले सप्ताह बीमार थे और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बुधवार के मैच में उनके खेलने पर फैसला टॉस से पहले लिया जाएगा। फ्लेमिंग ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि धौनी ठीक हो रहे हैं। वह पिछले सप्ताह बीमार थे। हम उनके खेलने पर फैसला सुबह लेंगे। धौनी ने अभ्यास में भी भाग नहीं लिया।

दिल्ली ने अपने पिछले पांच में से चार मैचों में जीत दर्ज की है और उसकी टीम आत्मविश्वास से भरी है। युवा श्रेयस अय्यर ने टीम की अगुआई करते हुए अच्छी भूमिका निभाई। अय्यर की कप्तानी में दिल्ली पिछले मैच में अपने घरेलू मैदान फिरोजशाह कोटला में आरसीबी से 16 रन से विजयी रही थी और उसकी कोशिश रहेगी कि वह अपनी लय कायम रखते हुए शीर्ष पर बनी रहे। अय्यर चेन्नई के खिलाफ भी उपयोगी योगदान देने पर ध्यान देंगे। दिल्ली बल्लेबाजी और गेंदबाजी में फिलहाल टूर्नामेंट की सबसे संतुलित टीम है। रनों के लिए दिल्ली किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। पृथ्वी शॉ, शिखर धवन, कप्तान अय्यर और रिषभ पंत सभी बल्लेबाजी क्रम के मजबूत खिलाड़ी और शीर्ष स्कोरर हैं।

सचिन और लक्ष्मण को बुलाया तो सीईओ कानूनी टीम होगी मौजूद

नई दिल्ली, प्रेट्र : लोकपाल न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) डीके जैन हितों के टकराव के कथित मामले में अगर सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण को निजी सुनवाई के लिए तलब करते हैं तो बीसीसीआइ के सीईओ राहुल जौहरी और कानूनी टीम भी इस दौरान मौजूद रहेगी। तेंदुलकर और लक्ष्मण पहले ही अपना अपना जवाब सौंप चुके हैं और दोनों ने क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) के सदस्यों और अपनी संबंधित फ्रैंचाइजियों मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद में मेंटर की दोहरी भूमिका में किसी भी तरह के हितों के टकराव से इन्कार किया है।

बीसीसीआइ को उम्मीद है कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के तहत न्यायमूर्ति जैन तेंदुलकर और लक्ष्मण दोनों को सुनवाई के लिए बुलाएंगे और बोर्ड का प्रतिनिधित्व सीईओ जौहरी करेंगे। प्रशासकों की समिति (सीओए) के फैसले की जानकारी रखने वाले बीसीसीआइ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया, 'मीडिया में आईं कुछ खबरों के विपरीत बीसीसीआइ की नीति में कोई बदलाव नहीं है। सौरभ गांगुली के मामले की तरह अगर तेंदुलकर और लक्ष्मण भी गवाही के लिए नैतिक अधिकारी के समक्ष पेश होते हैं तो राहुल और कानूनी टीम वहां रहेगी। निश्चित तौर पर इस मामले में बीसीसीआइ पक्ष है। आपकी सूचना के लिए बता दूं कि एस श्रीसंत के मामले में सुनवाई थी तो बीसीसीआइ का प्रतिनिधित्व सीईओ ने किया था। इस मामले में लोकपाल ने बीसीसीआइ को लिखा है तो बीसीसीआइ का प्रतिनिधित्व नहीं होने का सवाल ही नहीं उठता।'

डेविड वार्नर ने किया था हमसे 500 रन बनाने का वादा

वीवीएस लक्ष्मण
टेरी-टेरी स्पेशल

राजस्थान रॉयल्स से हारने के बाद हमारे खिलाड़ियों का मनोबल टूटना लाजमी था, लेकिन जिस तरह का व्यक्तित्व सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ियों ने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ पिछले मुकाबले में घर में दिखाया, उसे देखकर मुझे काफी खुशी हुई। जयपुर में हम 175 के स्कोर तक पहुंच सकते थे, लेकिन हमारे 15 रन कम रह गए और राजस्थान ने इस स्कोर को आसानी से पा लिया। हम जानते थे कि हमें हैदराबाद में अपना शीर्ष स्तर का खेल दिखाना था। यह देखकर अच्छा लगा कि टीम के खिलाड़ियों ने सभी हिस्सों में शानदार प्रदर्शन किया। इस अहम मुकाबले में हमारा मजबूत शुरुआत करना जरूरी था और ऐसा ही डेविड वार्नर और रिद्धिमान साहा ने किया। मैं साहा की कार्य नीति का बड़ा प्रशंसक हूं। हालांकि चाहें वह अंतिम-11 में रहें या नहीं, वह चेहरे पर मुस्कुराहट लिए कड़ी मेहनत करते हैं और युवा खिलाड़ियों के लिए एक नजीर पेश करते हैं। ऐसे में उन्हें काफी समय तक बेंच पर बैठने के बाद रन बनाते देखना अच्छा लगा। मैं डेविड के बारे में क्या कह सकता हूं। वह पिछले साल काफी अशांत थे और उनकी कोहनी की चोट ने इसे और बदतर कर दिया। हम सत्र की शुरुआत में थोड़ा भयभीत थे कि वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे या नहीं, लेकिन डेविड ने काफी शानदार प्रदर्शन किया। जब कार्यक्रम सामने आया तो हम जानते थे कि वह सभी 12 मैच में उपलब्ध रहेंगे। हम हैदराबाद में शूटिंग कर रहे थे जब वार्नर ने कोच टॉम मूडी को मैसेज किया और वादा किया कि वह इस सत्र में 500 रन बनाएंगे। यह कोई खोखला वादा नहीं था यह उनका लक्ष्य था, लेकिन जिस दृढ़ निश्चय के साथ उन्होंने इस लक्ष्य का पीछा किया उसे देखना वाकई काबिले तारीफ था। वह अब 692 रन के साथ वापस जा रहे हैं। यही मुख्य वजह है कि हम क्यों प्लेऑफ में जगह बनाने से एक कदम दूर हैं। डेविड खुशकिस्मत हैं कि उनके पास मानसिक क्षमता बरकरार रखने के लिए सही साथी हैं। उनकी पत्नी कैंडिस उन में से ही एक हैं। हैदराबाद उनके लिए दूसरा घर है और हैदराबाद के लोग उन्हें पसंद करते हैं। इसका यह मतलब नहीं है कि 500 रन आइपीएल में लगातार पांच वर्ष बनाना कोई करतब नहीं है। इसका श्रेय डेविड को जाता है जिन्होंने ना सिर्फ ऐसा किया बल्कि, ये रन उन्होंने बेहद तेजी से बनाए। इतने ज्यादा स्ट्राइक रेट से लगातार रन बनाना उनके कौशल को दर्शाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि डेविड सच्चे मैच विजेता हैं।

मैंने काफी कड़ी मेहनत की : वार्नर

आइपीएल डायरी

डेविड वार्नर

हैदराबाद, आइएएनएस : डेविड वार्नर ने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ 81 रनों की पारी खेलकर आइपीएल में अपने सफर का शानदार अंत किया। वार्नर की बल्लेबाजी की मदद से हैदराबाद ने सोमवार को अपने घरेलू मैदान पर पंजाब को 45 रनों से शिकस्त दी और प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा।

आगामी विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम से जुड़ने के लिए वार्नर स्वदेश लौट गए। उन्होंने इस सत्र में कुल 692 रन बनाए। मैच के बाद वार्नर ने कहा कि मैदान पर जाकर अपना काम करने में बहुत आनंद आया। बल्लेबाजी करने के लिए हमारे पास बेहतरीन पिच है। ग्राउंड स्टाफ ने अच्छी विकेट बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है और आपको मूल बातों को ध्यान रखकर बल्लेबाजी करनी होती है। मैं एक बल्लेबाज हूं और अगर कुछ गेंदें खाली निकल जाएं तो मैं चहलकदमी करना शुरू कर देता हूं, लेकिन मैंने पिछले कई महीनों में कड़ी मेहनत की है। मेरी योजना आत्मविश्वास के साथ स्वाभाविक खेल खेलने की है। वार्नर पर गेंद से छेड़छाड़ के मामले में 12 महीनों का प्रतिबंध लगा था, लेकिन उन्होंने दमदार वापसी की और विश्व कप के लिए चुनी गई टीम में भी जगह पाई। वार्नर ने कहा कि इस विश्व कप में आपको बड़े स्कोर देखने को मिलेंगे। उम्मीद है कि गेंद अधिक स्विंग नहीं करेगी। जाहिर तौर पर इंग्लैंड घरेलू टीम है और वह एक बेहतरीन टीम है। हम मौजूदा चैंपियन हैं और मुझे उम्मीद है कि यह टूर्नामेंट बेहतरीन होगा। मैं इसके लिए बहुत उत्साहित हूं और आइपीएल में खेलने से मेरी बेहतरीन तैयारी हुई है।

हमने अच्छा प्रदर्शन किया : केन

हैदराबाद, प्रेट्र : सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान केन विलियमसन ने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ आइपीएल में अहम मैच में जीत दर्ज करने के बाद अपनी टीम की प्रशंसा की। विलियम्सन ने कहा, मैं समझता हूं कि पूरे सत्र आप अंक अर्जित करने का प्रयास करते हैं और अभी हम टूर्नामेंट के अहम मोड़ पर मौजूद हैं। वह हमारे लिए बड़ा मैच था और हमने हर विभाग में बेहतरीन प्रदर्शन किया। वार्नर और बेयरस्टो ने विश्व स्तरीय प्रदर्शन किया। किसी की जगह को भरना बहुत मुश्किल होता है, लेकिन एक टीम के रूप में हमें कमियों को पूरा करना होगा।

प्लेऑफ नहीं, अगले दो मैचों पर ध्यान : क्रुणाल

मुंबई, प्रेट्र : मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। तीन बार की चैंपियन मुंबई हालांकि अभी प्लेऑफ के बारे में नहीं सोच रही है। दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपरकिंग्स दोनों ही प्लेऑफ में जगह बना चुकी हैं। ऐसे में दो स्थानों के लिए पांच टीमों के बीच स्पर्धा है। मौजूदा समय में मुंबई के 12 मैचों में 14 अंक हैं और उसे गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करना है।

अर्जुन पुरस्कार के लिए पंघाल व गौरव के नाम

मुक्केबाजी : बीडब्ल्यूएफआइ ने दोनों दिग्गज मुक्केबाजों को नामित करने का फैसला किया

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

अमित पंघाल

एशियन गेम्स और एशियन चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघाल और विश्व चैंपियनशिप 2017 के कांस्य पदक विजेता गौरव बिधूड़ी को मंगलवार को भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआइ) ने अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित किया। अमित ने जकार्ता एशियन गेम्स में 49 किग्रा में उज्बेकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन हसनबाय को हराकर सोने का तमगा जीता था।

पिछले साल भी अर्जुन पुरस्कार के लिए अमित के नाम की सिफारिश की गई थी। अमित के नाम पर हालांकि विचार नहीं किया गया था क्योंकि वह 2012 में डोप परीक्षण में नाकाम रहे थे। इसके लिए उन पर एक साल का प्रतिबंध भी लगा था। बीएफआइ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, 'हम फिर से अमित का नाम भेज रहे हैं और हमें पूरा विश्वास है कि इस बार उनके नाम पर विचार किया जाएगा।' अब 52 किग्रा में भाग ले रहे पंघाल ने कहा कि उनके परीक्षण में जो एनाबोलिक स्टेरायड पाया गया था वह उन्होंने चेचक के उपचार के लिए दुर्घटनावश लिया था। पुरस्कार चयन समिति ने परीक्षण पॉजीटिव पाए जाने के कारण उनके नाम पर विचार नहीं किया था। इसी तरह से बिधूड़ी का नाम भी दोबारा भेजा गया है। हाल में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले बिधूड़ी हैम्बर्ग में 2017 विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय थे। विश्व चैंपियनशिप की पूर्व रजत पदक विजेता सोनिया लाठेर और कॉमनवेल्थ गेम्स की पूर्व कांस्य पदक विजेता पिंकी रानी भी दावेदार थे, लेकिन बीएफआइ ने उनके नाम की सिफारिश नहीं की। महिलाओं की सहायक कोच संध्या गुरुंग और महिला टीम के पूर्व मुख्य कोच शिव सिंह का नाम द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए भेजा गया है।

पंघाल बोले, दुसमातोव मुझसे डरने लगे हैं : ओलंपिक चैंपियन को लगातार दो बार हराना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है, लेकिन मुक्केबाज अमित पंघाल को लगता है कि उज्बेकिस्तान के 'गोल्डन ब्वॉय' हसनबाय दुसमातोव को पटखनी देना उनके लिए बड़ी बात नहीं, जो अब इस भारतीय खिलाड़ी से 'थोड़े डरे हुए' हैं। पंघाल ने कहा, 'मुझे लगता है इस बार वह मुझसे थोड़ा डरा हुआ था। वह पूरे लय में नहीं था। मेरा कार्यक्रम अब व्यस्त है जिसमें इटली और आयरलैंड में प्रशिक्षण शामिल है। इस माह के आखिर (20 मई से गुवाहाटी) में इंडिया ओपन है, इसलिए मेरे पास तैयारी का अच्छा मौका है।'

ओलंपिक के लिए और मिलेंगी सुविधाएं : बीएफआइ ने ओलंपिक की तैयारियों के लिए मुक्केबाजों को कई सुविधाएं देने का फैसला किया है जिसमें टीम के साथ शेफ भेजने के अलावा परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने लिए टूर्नामेंट से काफी पहले खिलाड़ियों को रवाना करना शामिल है। टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई टूर्नामेंट इस साल सितंबर में विश्व चैंपियनशिप है। बीएफआइ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को सुनिश्चित करने के लिए हम मार्गदर्शन, कोचिंग, न्यूट्रिशन के साथ सब कुछ मुहैया कराएंगे। भारतीय खिलाड़ियों के साथ विदेशों में मौसम से सामंजस्य बैठाने के अलावा खाने की समस्या रहती है।

यूएफा चैंपियंस लीग

पहले चरण के सेमीफाइनल में लिवरपूल से बार्सिलोना का मुकाबला आज, मेसी को रोकने की जुगत में होगी जुर्जेन क्लोप की टीम

यूरोप में फिर छाप छोड़ने उतरेगा बार्सिलोना

बार्सिलोना, एएफपी : करीब 10 साल पहले मैनचेस्टर युनाइटेड के महान मैनेजर सर एलेक्स फर्ग्यूसन ने बार्सिलोना को सर्वश्रेष्ठ टीम करार दिया था, लेकिन अभी स्पेनिश चैंपियन को सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए बहुत कुछ करना बाकी है। यूएफा चैंपियंस लीग के पहले चरण के सेमीफाइनल में बुधवार देर रात बार्सिलोना की टीम अपने घरेलू मैदान कैंप नाउ में लिवरपूल से भिड़ने जा रही है, जहां लियोन मेसी, सर्जियो बास्किट्स और गेरार्ड पिक जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को यूरोप में अपनी छाप छोड़ने का एक और मौका मिलेगा। बार्सिलोना की नजर पिछले चार साल में पहली बार फाइनल खेलने पर है।

तत्कालीन मैनेजर पेप गॉर्डियोला की बार्सिलोना टीम ने 2009 में मैनचेस्टर युनाइटेड को 2-0 से हराकर खिताबी जीत का जश्न मनाया था। तब फर्ग्यूसन ने कहा था कि इस तरह किसी टीम ने हमें छुपने के लिए मजबूर होने पर बेबस नहीं किया था। उन्होंने कहा कि सभी महान टीमें बदलाव के दौर से गुजरती हैं और इस समय बार्सिलोना यूरोप की सर्वश्रेष्ठ टीम है। जाबी, इनेस्ता और मेसी जैसे खिलाड़ी अगर टीम में हमेशा बने रहते हैं, इस पर बहुत कुछ निर्भर करता है जो संभव नहीं है। बार्सिलोना से जाबी और इनेस्ता जा चुके हैं और उनकी जगह इवान रेकेटिक और ऑर्थर मेलो जैसे खिलाड़ी ले चुके हैं।

आमने-सामने

बार्सिलोना	लिवरपूल
मेसी	सलाह
सुआरेज	माने

पिछले आठ साल में एक खिताब : चैंपियंस लीग में 2011 में युनाइटेड एक बार फिर बार्सिलोना का शिकार बना था। हालांकि 2012 से 2018 के बीच केवल एक बार बार्सिलोना ने जुवेंटस को 2015 में हराकर खिताब जीता। जब बार्सिलोना ने 2009 के फाइनल में युनाइटेड को हराया था तब वह पहले ही ला लीगा का खिताब अपने नाम कर चुका था। तब पिछले 11 वर्षों में बार्सिलोना द्वारा हाल ही में जीते गए कुछ आठ खिताबों में से वह पहला खिताब था। पिछले सत्र में जब ईर्नेस्टो वाल्वर्ड ने मैनेजर के तौर पर बार्सिलोना की जिम्मेदारी संभाली थी तब इस स्पेनिश क्लब को सुपर कप में रीयल मैड्रिड के खिलाफ हार का जख्म खाना पड़ा था, लेकिन फिलहाल ला लीगा में बार्सिलोना ने रीयल पर 18 अंकों की बढ़त हासिल करके पहले ही खिताब पर कब्जा जमा लिया है।

लिवरपूल के फुलबैक ट्रेंट एलेक्जेंडर आर्नोल्ड और एंड्रयू रॉबर्टसन बार्सिलोना के कप्तान मेसी को रोकने की तैयारी में हैं। विर्गिल वान डिज्क ने मौजूदा सत्र में अपने शानदार खेल की बदौलत लिवरपूल के डिफेंडर में सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी हैं जिन्हें हाल ही में प्रोफेशनल फुटबॉल एसोसिएशन का साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। आर्नोल्ड और रॉबर्टसन ने मौजूदा सत्र में कुल मिलाकर गोल करने के 24 मौके तैयार किए हैं। लिवरपूल के मैनेजर जुर्जेन क्लोप की रणनीतियों को इन दोनों ने बहुत हद तक सफल बनाया है। रॉबर्टसन के मदद के बगैर सादियो माने का 24 गोल कर पाना संभव नहीं था। वहीं, मुहम्मद सलाह के लिए राइट फ्लैंक में जमीन तैयार करने में आर्नोल्ड की अहम भूमिका रही है।

उम्र का तकाजा

मेसी जून में 32 साल होने जा रहे हैं और बास्किट्स जुलाई में 31 साल के हो जाएंगे, जबकि पिक पहले ही 32 की उम्र पार कर चुके हैं। ऐसे में फर्ग्यूसन काफी हद तक सही थे कि हमेशा गॉर्डियोला की टीम बनी नहीं रह सकती। बढ़ती उम्र के साथ अब इनके लिए अपने प्रदर्शन को बनाए रखने की बड़ी चुनौती होगी।

बार्सिलोना के दिग्गज खिलाड़ी लियोन मेसी। एएफपी

10 गोल के साथ मौजूदा चैंपियंस लीग में मेसी सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। लिवरपूल के मुहम्मद सलाह और सादियो माने ने चार-चार गोल दागे हैं

34 मुकाबले अब तक चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में मेसी, बास्किट्स और पिक ने मिलकर खेले हैं

08 मुकाबले अब तक बार्सिलोना और लिवरपूल के बीच हो चुके हैं। इसमें बार्सिलोना ने तीन और लिवरपूल ने दो जीते हैं, जबकि तीन मुकाबले ड्रॉ रहे हैं

2007 में पिछली बार चैंपियंस लीग में खेले गए अंतिम-16 के मुकाबले में लिवरपूल ने बार्सिलोना को अवे गोल के आधार पर बाहर का रास्ता दिखाया था

बजरंग पूनिया का मेडिसन स्क्वॉयर गार्डन में होगा मुकाबला

अनिल भारद्वाज, गुरुग्राम : अमेरिका के मेडिसन स्क्वॉयर गार्डन में एक बार फिर से तिरंगा लहराए जाने की उम्मीद है। भारत के धुरंधर पहलवान बजरंग पूनिया व अमेरिकी पहलवान के बीच यहां पर कुश्ती का महत्वपूर्ण मुकाबला होने वाला है। इस स्टार पहलवान को अमेरिकी कुश्ती संघ ने आमंत्रित किया है। यह पहला मौका होगा जब किसी भारतीय पहलवान को अमेरिका कुश्ती संघ ने कुश्ती मुकाबले के लिए बुलाया है। छह मई की शाम को बजरंग और अमेरिकी पहलवान के बीच मुकाबला होगा।

इस मुकाबले को लेकर अमेरिका में जोरों से प्रचार चल रहा है और माना जा रहा है कि अमेरिका में रहने वाले भारतीय बड़ी संख्या में इस मुकाबले को देखने पहुंचेंगे। भारतीय पहलवान बजरंग 65 किग्रा वर्ग में दुनिया में नंबर एक रैंकिंग पर काबिज हैं। बजरंग ने बताया कि इस मुकाबले पर दुनियाभर के पहलवानों और कुश्ती प्रेमियों की नजर रहेगी। वह इस मुकाबले को लेकर उत्साहित हैं। वह अमेरिका कई बार गए हैं।